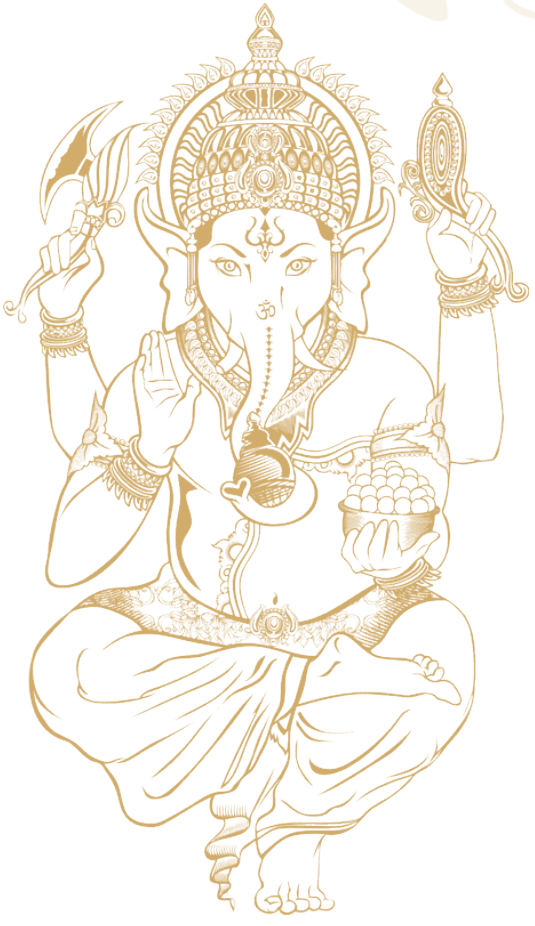

Kunal

KAJAL MANCHANDA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120195905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1996	जन्म तिथि	11/08/1996
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 14:07:00	जन्म समय	08:15:00 घंटे
घटी 20:13:36	जन्म समय(घटी)	06:06:23 घटी
India	देश	India
Palwal	स्थान	Gurgaon
28:09:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:20:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:40	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:33	सूर्योदय	05:49:16
18:35:51	सूर्यास्त	19:04:23
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:39

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 6मा 9दि	05:10:16	धनु	लग्न	सिंह	25:42:38	गुरु 15वर्ष 11मा 27दि
गुरु	20:12:51	सिंह	सूर्य	कर्क	24:54:11	शनि
17/03/2013	07:45:30	मिथु	चंद्र	मिथु	20:00:27	08/08/2012
17/03/2029	04:00:04	कर्क	मंगल	मिथु	17:04:41	08/08/2031
गुरु 06/05/2015	09:26:55	कन्या व	बुध	सिंह	20:08:31	शनि 11/08/2015
शनि 16/11/2017	14:01:13	धनु	गुरु व	धनु	14:51:57	बुध 20/04/2018
बुध 22/02/2020	05:16:51	कर्क	शुक्र	मिथु	09:30:39	केतु 30/05/2019
केतु 28/01/2021	11:41:27	मीन व	शनि व	मीन	13:08:26	शुक्र 30/07/2022
शुक्र 29/09/2023	14:28:40	कन्या व	राहु व	कन्या	15:31:16	सूर्य 12/07/2023
सूर्य 17/07/2024	14:28:40	मीन व	केतु व	मीन	15:31:16	चन्द्र 09/02/2025
चन्द्र 16/11/2025	07:16:56	मक व	हर्ष व	मक	08:08:05	मंगल 21/03/2026
मंगल 23/10/2026	01:24:27	मक व	नेप व	मक	01:56:33	राहु 25/01/2029
राहु 17/03/2029	06:43:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:31:23	गुरु 08/08/2031

लग्न-चलित

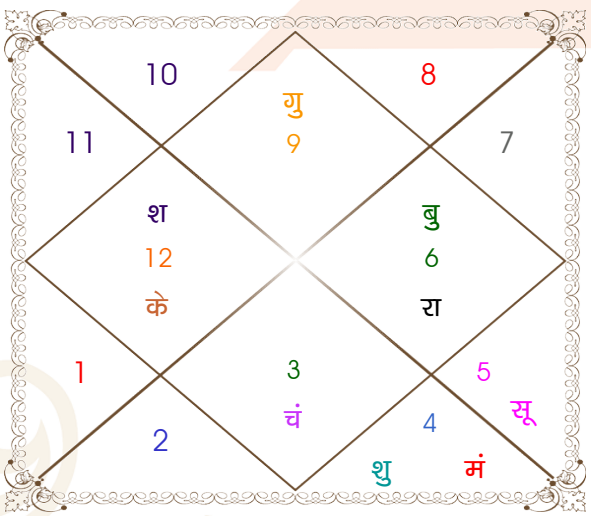

लग्न-चलित

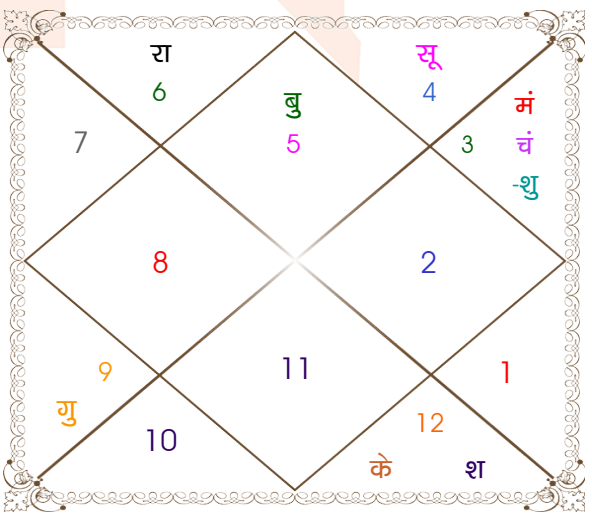

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ज्ञनदंस का नक्षत्र आर्द्रा है।

ज्ञनदंस का वर्ग मार्जार है तथा ज्ञ।श्र।स् ड।छब्भ।छक्। का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और ज्ञ।श्र।स् ड।छब्भ।छक्। का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञ।श्र।स् ड।छब्भ।छक्। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ज्ञ।श्र।स् ड।छब्भ।छक्। कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः

मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ज्ञ।श्र।स् ड।छब्भ।छक्। कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञनदंस तथा ज्ञ।श्र।स् ड।छब्भ।छक्। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।